संदेश

भारतीय संस्कृति के मंत्र **''सः विद्या या विमुक्तये''** के मूल भाव को समझते हुए दो निष्ठावान विद्या–प्रेमी समाजसेवी **स्व0 लाला ईश्वर दयाल एवं उनकी धर्मपत्नी स्व0 परसन्दी देवी जी** ने अपनी सम्पूर्ण संपत्ति दान करके शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार हेतु ईश्वरदयाल परसन्दी देवी विद्या प्रसारिणी सभा (आई0पी0वी0पी0 सभा) के माध्यम से सन् 1970 में आई0पी0 कॉलेज, बुलन्दशहर की स्थापना की। उस समय से ही आई0पी0वी0पी0 सभा के सदस्यगण उच्च शिक्षा के उत्कृष्ट कार्य को आगे बढ़ाने के लिए सतत् रूप से कार्यरत हैं। स्थापना के समय कॉलेज एक आठ कमरों एवं बी0एस–सी0 जीव–विज्ञान समूह की एक छोटी इकाई के रूप में प्रारम्भ हुआ था, जो कि कालान्तर में बढ़ते–बढ़ते 52 हजार स्क्वायर फिट कवर्ड एरिया के परिसर में विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के प्रमुख परास्नातक संस्थान में पुष्पित–पल्लवित हो चुका है। इस छोटी इकाई से ही 1994 से कई स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों (BCA, BBA, BEd., MEd., B.Sc. & M.Sc. Biotechnology)का आरम्भ किया गया, जिन्हे वर्ष 2010 में दरियापुर स्थित आई0पी0कॉलेज के द्वितीय परिसर में स्थानान्तरित कर दिया गया, जो कि 25000 स्क्वायर मीटर एवं एक लाख 4 हजार स्क्वायर फिट कवर्ड एरिया में फैला हुआ परिसर है।

केवल 66 विद्यार्थियों से शुरू हुआ महाविद्यालय अब तक **विश्वविद्यालय की वरीयता सूची** में 300 से भी अधिक विद्यार्थी देकर अपना महत्व दर्ज करा चुका है।

समय–समय पर कॉलिज को विभिन्न परोपकारी शिक्षाविद् एवं समाजसेवियों का साथ मिलता रहा है, हमारे कॉलेज ने समाज एवं देश को कई प्रबुद्ध नागरिक दिये है जो कि सफल वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, आई.ए.एस., चार्टेड एकाउंटेंट, आई.पी.एस., आई.एफ.एस., कुशल प्रबन्धक, उद्यमी एवं अनुसंधानकर्ता होने के साथ–साथ निष्ठावान एवं जिम्मेदार नागरिक भी है।

शैक्षणिक परिवेशानुसार महाविद्यालय में अकादमिक कार्यक्रमों के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास से जुड़े कार्यक्रमों एवं प्रशिक्षणों को भी पूरा महत्व दिया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा एवं रोजगार के संज्ञान हेतु समय–समय पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिससे छात्रों को शैक्षणिक विकास के साथ–साथ रोजगारपरक मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है।

महाविद्यालय अपने छात्रों के बहुमुखी विकास और शिक्षा की उत्तरोतर गुणवत्ता के लिए सदैव प्रयासरत है, जिसके लिये हमारे उच्च शिक्षित, अनुभवी एवं कर्मठ शिक्षकगण हमेशा तत्पर रहते हैं।

हम अपने विद्यार्थियों के माध्यम से सामाजिक उत्थान के लिए कृतसंकल्प हैं, और इस संकल्प में हमारे सारथी, महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शैक्षणिक कर्मचारी, सहयोग की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

नीना मित्तल
अध्यक्षा, प्रबन्ध समिति
आई0पी0कॉलेज, बुलन्दशहर, उ0प्र0